शास्त्री तृतीय वर्ष

हिन्दी

छायावादोत्तर काव्य

राष्ट्र भाग - 5

इकाई 1 (अ) छायावादी और प्रगतिवादी (छायावादोत्तर) काव्य की पृष्ठभूमि, परिस्थितियों और विशेषताओं का अध्ययन करेंगे।

(ब) नवीन स्थितियों में प्रगतिवादी विचारधारा की साथर्कता समझेंगे।

(स) पाठ्यक्रम में उल्लेखित कविताओं में प्राचीन एवं नवीन संदर्भों के अनुसार पद्यांशों की व्याख्या करना जानेंगे।

इकाई 2 निरीक्षण एवं विवेचनात्मक शैली का प्रयोग कर पुस्तक एवं विषय आधारित प्रश्नोत्तर निर्माण करेंगे।

इकाई 3 (अ) भाषा की महत्ता, स्वरूप, प्रारंभिक स्वरूप और भाषा के विभिन्न रूपों का ज्ञान अर्जित करेंगे।

(ब) राष्ट्रभाषा, राजभाषा, जनभाषा, संपर्क भाषा एवं उपभाषा के रूप में भाषायी वर्गीकरण को समझेंगे।

(स) भ्रष्टाचार मुक्त भारत की संकल्पना को समझेंगे संकल्पना को साकार करने में सहयोगी प्रक्रियाएँ जानेंगे।

व्यावहारिक हिन्दी

राष्ट्र भाग - 6

इकाई -1 संक्षेपण के स्वरूप और महत्व के बारे में जानेंगे। संक्षेपण करना सीखेंगे।

इकाई -2 पल्लवन करना सीखेंगे, पल्लवन के माध्यम से भाषायीकौशल का विकास करेंगे।

इकाई -3 क्षेत्र विशेष के शब्दों का ज्ञान अर्जित करेंगे शब्द प्रयोग में दक्षता प्राप्त करेंगे।

इकाई -4 प्रारूपण का महत्व समझेगे और इसे सीखेंगे।

इकाई -5 विराम-चिह्नों का उपयुक्त स्थान पर प्रयोग करना सीखेंगे एवं अर्थ सौष्ठव में इसके महत्व को जानेंगे।

इकाई -6 हिन्दी की व्यापकता एवं बोधगम्यता में उसके शब्द भण्डार की क्या भूमिका है जानेंगे एवं हिन्दी में कौन-कौन सी भाषाओं के शब्द समाहित है और उसके क्या कारण हैं इसका ज्ञान प्राप्त हो।

इकाई -7 भाषा में लिपि का क्या महत्व है और प्राचीनकाल में लेखन के लिए किन सामाग्रियों का प्रयोग किया जाता था, इसके क्या प्रमाण हैं, देवनागरी लिपि की क्या विशेषताएँ और स्थान है? इससे छात्र अवगत होंगे।

इकाई -8 1 उपसर्ग और प्रत्यय क्या हैं, शब्द निर्माण में इनकी क्या भूमिका है, हिन्दी में किन भाषाओं के उपसर्गों और प्रत्ययों से मिलकर बनने वाले शब्द हैं इसका ज्ञान प्राप्त होगा।

2 संज्ञा, विशेषण, सर्वनाम और अव्ययों में प्रत्ययों की भूमिका जानेंगे और इसे व्यवहार में लांएगे।

इकाई -9 टिप्पणी (छवजपदह) का अर्थ समझेंगे, उसके क्रम को जानेंगे एवं सरकारी कार्यालयीन व्यवस्था में टिप्पणी का क्या महत्व समझेंगे।

इकाई -10 पत्र लेखन में कौन सी महत्वपूर्ण बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए, पत्र का प्रारूप कैसा होता है? पत्र कितने प्रकार के होते हैं, विषयानुसार पत्र-लेखन कैसे किया जाता है सीखेंगे।